पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-डी.एल. (एन.)/084/2012-14 (1) इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

परिषद् की अन्तरंग सभा की वार्षिक बैठक

रविवार, 26 अगस्त 2012

दोपहर 3 बजे

आर्य समाज कबीर बस्ती,

दिल्ली-110007

आय-व्यय, बजट, रिपार्ट स्वीकृत करने हेतु सभी सभासद समय पर पहुंचे।

महेन्द्र भाई

महामंत्री

वर्ष-29 अंक-4 श्रावण-2069 दयानन्दाब्द 189 16 जुलाई से 31 जुलाई 2012 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

E-mail : aryayouth@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व कार्यकर्त्ता बैठक आर्य समाज अनारकली मे सम्पन्न

आगामी 25, 26, 27 जनवरी 2013 को रामलीला मैदान अशोक विहार दिल्ली में होगा

251 कुण्डीय विराट् यज्ञ व अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन

देश भर के आर्य युवकों व आर्य जनों से व्यापक तैयारी करने का आह्वान

रविवार, 15 जुलाई 2012, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवम् सक्रिय कार्यकर्ता बैठक आर्य समाज, अनारकली, मन्दिर मार्ग, नई दिल्ली में परिषद् अध्यक्ष डा.अनिल आर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। सार्वदेशिक सभा संचालन समिति के संयोजक स्वामी आर्य वेश ने आह्वान किया कि आर्य समाज का भविष्य युवकों पर ही निर्भर है, इस दिशा में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् सराहनीय कार्य कर रही है इस कार्य को ओर अधिक बढ़ाने की आवश्यकता है। डा. अनिल आर्य ने कहा कि युवक राष्ट्रीय मुद्दों को लेकर समाज के आम आदमी को जोड़े तथा कोई न कोई कार्यक्रम बनाकर कार्यक्षेत्र का विस्तार करें। उन्होंने 11 अगस्त से 19 अगस्त तक युवा संस्कार अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया जिसमें 12 से 25 वर्ष तक के युवकों को यज्ञोपवीत धारण करने का अभियान चलाया जायेगा। बैठक का संचालन महामन्त्री महेन्द्र भाई ने किया। प्रमुख रूप से श्री आर. आर. भल्ला, मनोहरलाल चावला (सोनीपत), सत्यभूषण आर्य (फरीदाबाद), प्रवीन आर्य (गाजियाबाद), रामकृष्ण शास्त्री (अलवर), श्यामलाल आर्य (बागेश्वर,उत्तराखण्ड), रामकुमार सिंह (संचालक, दिल्ली प्रान्त), कै.अशोक गुलाटी, रमेशचन्द स्नेही (हरिद्वार), रविन्द्र मेहता, यशोवीर आर्य, मायाराम शास्त्री,जगवीरसिंह आर्य, ओम सपरा, डा.ओमप्रकाश मान, बलजीत आदित्य, प्रकाशवीर शास्त्री, सन्तोष शास्त्री, गवेन्द्र शास्त्री,सुदेश आर्या, गोपाल जैन आदि 160 प्रबुद्धआर्य जन उपस्थित थे। सभी ने 25,26,27 जनवरी 2013 को होने वाले अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन व 2 सितम्बर के राष्ट्रीय अधि वेशन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

भूटान से निष्कासित 1 लाख 30 हजार हिन्दुओं को वापिस बसाने के लिए संघर्ष होगा

शनिवार 14 जुलाई 2012 ह्युमन राइट्स डिफेन्स इंडिया के तत्वावधान में भुटानी शरणार्थी विषय पर संगोष्ठी का आयोजन इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट, सुप्रीम कोर्ट के सामने नई दिल्ली में किया गया। विभिन्न वक्ताओं ने भूटान से निष्कासित नेपाल में रह रहे 1 लाख 30 हजार हिन्दुओं की स्थिति पर चिंता व्यक्त की तथा अन्तर्राष्ट्रीय दबाव बनाकर उन्हें वापिस भूटान में बसाने की मांग की गई। इस अवसर पर श्री सी.एस. रनदेव, श्री राजेश गोगना (एडवोकेट) श्री के. एन. अधिकारी (राजदूत नेपाल) प्रो. आनन्द कुमार (जे.एन.यू.) डॉ. भूमा राय (चेयरमैन) भूटानी रिफ्यूजी कमेटी,) श्री एच.एच.एस.ए.आर.पी.वी चतुर्वेदी, श्री तरूण विजय (सांसद) श्री कर्मा छोजे, श्री डी.पी. केफले, डॉ. अनिल आर्य, श्री अरूण आनन्द, डॉ. एम. मलिंगम, श्री ओ.पी. गुप्ता (पूर्व राजदूत) श्री एस. बी. गुरंग आदि ने सम्बोधित किया।

क्या इस बढ़ते तूफान से आपको भय नहीं लगता

– अवधेश कुमार

इस समय एक ऐसे भारत का दर्शन हमें हो रहा है जिसकी दो दशक पहले तक किन्हीं दूरदर्शी चिंतकों के अलावा किसी को भी कल्पना नहीं रही होगी। रेव पार्टियों और इस प्रकार के उन्मुक्त आयोजनों के विरुद्ध कार्रवाई का जैसा विरोध देखने को मिल रहा है वह पहले अकल्पनीय था। मुंबई में उच्च वर्गीय युवक युवतियों का हाथों में तख्तियां लिए जुलूस रात्रिकालीन उन्मुक्त पार्टियों के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई के विरोध में था। सबका तर्क था कि उनकी आजादी, उन्मुक्तता के अधिकार का दमन हो रहा है। यद्यपि उनकी संख्या बहुत ज्यादा नहीं थी, पर पूरे देश में मीडिया की सुर्खिया बनी और उस पर लंबी-चौड़ी बहस चल रही है। मई के अंतिम सप्ताह में मुंबई पुलिस में सहायक आयुक्त वसंत ढोबले के नेतृत्व में पुलिस दल ने एक होटल में छापा मारकर 92 युवक युवतियों को घेरे में लिया एवं उनकी मेडिकल जांच कराई। पुलिस का आरोप था कि ये रेव पार्टी कर रहे थे जो गैर कानूनी है और उसे रोकना उनकी कानूनी जिम्मेवारी है। जुलूस एवं बहस में शामिल सारे युवा यद्यपि रेव पार्टी के समर्थन की बात नहीं कर रहे थे, लेकिन संदेश हमारे सामने बिल्कुल साफ था।

इसे आप क्या कहेंगे कि जिस समय मुंबई में ये युवक युवतियां विरोध जुलूस निकाल रहे थे उसी समय हैदराबाद से खबर आई कि वहां एक जन्म दिवस पार्टी में मादक द्रव्यों के साथ कई शहरों से महंगी कॉल गर्ल्स बुलाई गई थीं और जब पुलिस ने छापा मारा उस समय कई जोड़े नशे में धूत सेक्स कर रहे थे कोई सेक्स पूर्व कि क्रिया में तल्लीन था दृश्य ऐसा था जिसका भारतीय संस्कारों में कुछ वर्ष पूर्व तक वर्णन करना भी मर्यादा का उल्लंघन माना जाता। ये इस नए भारत की नगरीय जीवन में अंजाम दी जा रहीं जीवनशैली की वो बानगियां हैं जो पुलिस के छापे से हमारे सामने आ गई। इस प्रकार की उन्मुक्त पार्टियां, जहां आचरण में किसी प्रकार की सामान्य बंदिशों या बंधनों की गुंजाइश नहीं, केवल महानगरीय नहीं आम नगरीय सभ्यता का स्वाभाविक अंग बनतीं जा रहीं हैं। होटलों, फार्म हाउसों, म्यूजिक सेंटरों, बारों से लेकर अब तो नामी विवाह भवनों और यहां तक कि धीरे-धीरे कुछ घरों में जहां बड़े परिवार नहीं हैं ऐसी स्वच्छंद पार्टियों का चलन हो गया है जिनमें प्रतिबंधित मादक द्रव्य उपलब्ध होते हैं, और आपके लिए वैसा माहौल भी होता है जहां आप अपने विकृत मनोतरंगों को पूरा करने के लिए आजाद हैं। ठीक है कि खर्चीली होने के कारण मुख्यत: उच्च धनाढ्य वर्ग के लोग ही इसमें शामिल होते हैं, पर सामान्य परिवारों से आए युवक युवतियां और प्रौढ़ तक आधुनिकता के मनोविज्ञान में कुछ समय के आनंद का अनुभव करने आ जाते हैं भले उनकी महीने भर की कमाई एक दिन की ऐसी पार्टी में ही खर्च क्यों न हो जाएं।

कहा जाता है कि जो काम आप अकेले या एक दो साथियों के साथ छिपकर करते हो वह अपराध एवं समाज का अपवाद है, इसलिए उसके पक्ष में खुलकर आने में आपको संकोच होता है। रेव और ऐसी पार्टियां अब एक दो साथियों के बीच का गौपनीय कर्म नहीं रहा। मादक द्रव्यों के सेवन से सब सहमत न हों, लेकिन जिसे एलिट और सोशियलाइट कहते हैं उसके लिए ये सामान्य गतिविधियां है। शिक्षा, संगति और सोच ने उन्हें यह आभास कराया है कि आपका जीवन केवल आपका है इसलिए आप उसे जैसे चाहे जिएं। इसमें वे किसी प्रकार के हस्तक्षेप को निजी आजादी पर हमले के रुप में देखने लगे हैं। बहस में एक मॉडल ने तर्क दिया कि हम विकसित भारत, महाशक्ति भारत की बात क्यों करते हैं? ऐसी आजादी पर हमला विकसित और महाशक्ति भारत का तो नहीं हो सकता। आप एक ओर कहते हैं कि बाजार में जो चीजें जितनी बिकेंगी, हम आधुनिक चीजों का जितना उपयोग करेंगे उतना हमारा देश उन्नत और विकसित होगा, हमारी जीवनशैली में जितनी आधुनिकता आएगी उससे विश्व हमारा सम्मान करेगा और जब हम ऐसा करते हैं तो ढोबले और उनके जैसे लोग हमें अपमानित करते और थाने में बंद करते हैं। इस तथाकथित आधुनिक भारत के एक वर्ग के मानस का यह एक उदाहरण है। इनमें ऐसे भी हैं जिन्हें कोकिन, मैरिजुआना, एलसीडी चरस आदि के सेवन के खिलाफ कार्रवाई तक निजी स्वतंत्रता के विरुद्ध लगता है। उनका तर्क है कि यह हमारी जिन्दगी है हम इसे जैसे जिएं आपको क्या? आप अपनी सोच बदलिए, यदि आपका कानून इसके विपरीत है तो बदलते युग के अनुसार अपने कानून बदलिए।

रेव पार्टियों का एक इतिहास है जो यूरोप में पहले नशा, संगीत, डांस के मेलजोल वाले ऐसे आयोजनों से आरंभ हुआ जहां आप सब कुछ भूलकर बस केवल झूमते हैं। इसे आधुनिक हिप्पी समाज तक का नाम समाजशास्त्रियों ने दिया। हिप्पी को भी एक आंदोलन माना गया जो समाज की बंदिशों के खिलाफ था। अंगेजी के आरइव को कुछ लोग रिवोल्यूशन के प्रथम तीन अक्षर भी मानते हैं। कुछ लोग इसके लिए आरएवीई शब्द भी प्रयोग करने लगे हैं। लेकिन यूरोप और अमेरिका में भी मादक पदार्थों के सेवन वाली इन पार्टियों को अच्छी नजर से नहीं देखा जाता एवं वहां भी इनके खिलाफ कार्रवाइयां होतीं है और उसके प्रणेताओं को नागवार गुजरता है। लेकिन भारत का यह समाज दुनिया में सबसे आगे निकलना चाहता है। जीवन की समस्त उन्मुक्तताओं को वह क्षण में पा लेने को बेताब है तथा उसी बेताबी से ऐसे समूह बन रहे हैं जिनके लिए बंधन मतलब जीवन की गति को रोक देना और उसे सड़ा देना है। यही समाज सड़कों पर ऐसे प्रदर्शनों का नेतृत्व करता है भले उसमें शामिल होने वालों में ऐसे भी हैं जो पूर्ण उन्मुक्तता के पक्षधर नहीं। मानते हैं कि पुलिस गाहे-बगाहे एक जगह संगीत, नृत्य या सामान्य मौज मस्ती के लिए एकत्रित युवकों के समूह को परेशान करती है और यह अपराध है। नगरीय जीवन का अपना दोष है और उस सभ्यता पर अलग से बहस की जा सकती है। नगरों में काम की आपाधापी के बाद लोगों का एकत्रित होकर ऐसी पार्टियां करना अस्वाभाविक नहीं। सबको संदेह की नजर से देखने से भय का माहौल बन रहा है। यह रुकना चाहिए।

वैसे भी पुलिस कार्रवाई की अपनी सीमा है। ऐसी रेव पार्टियां भी सामने आ रहीं हैं जिनमें स्थानीय पुलिस की ही संलिप्तता रहती है। आखिर देश में प्रतिबंधित मादक द्रव्य कैसे आसानी से मिल रहे हैं? पुलिस के पास कार्रवाई के लिए कई कानून है जिनमें नारकोटिक्स ड्रग्स ऐंड साइकोट्रौपिक सब्सटेंश कानून यानी एनडीपीएस कानून है। इस कानून के रहते सब कुछ हो रहा है तो जाहिर है, यह एक हद तक बेमानी हो गया। मेट्रो व अन्य महानगरों शहरों में आपको आधी रात आते-आते प्रसिद्ध स्थानों पर ऐसे लोग मिल जाएंगे जिसे पुलिस भी हाथ लगाना उचित नहीं मानती और उसकी सलाह यह होती है कि आप उधर की बजाय दूसरे रास्तों से जाइए, क्योंकि पता नहीं कौन कोकिन, एलसीडी के नशे मे आपके साथ क्या कर दे। ये वे लोग होते हैं जो या तो पार्टियां आयोजित नहीं कर सकते या उसमें सम्मिलित नहीं हो सकते या वे सार्वजनिक स्थानों पर बंदिशों के खिलाफ विद्रोह करते हैं। माहौल ऐसा बन रहा है कि आपके जीवन में कोई खुशी का अवसर आया तो इनका सेवन करिए और आनंद की उतुंगता पर पहुंच जाइए। पार्टियों में इसे ही सामूहिक किया गया है। पुरानी मान्यताओं को ध्वंस करने को आतुर समाज कानूनी और सामाजिक बंदिशों की दीवारों को बेमानी करार दे रहा है। यह भयानक तूफान की तरह फैल रहा है। कानून की अपनी सीमाएं हैं। ढोबले या उनके जैसे कितने पुलिसवाले हॉकी स्टिक के भय से इस तूफान को रोक देंगे? उनका हॉकी स्टिक ही अब विरोधियों के लिए आजादी में दखल का खलनायक बन गया है।

हालांकि एक ओर मुंबई में जुलूस निकल रहा था, हमारे टी. वी. चैनल इस पर गरमागरम मसालेदार बहस कर रहे थे और दूसरी ओर मुंबई में पकड़े गए जिन 46 लोगों की रिपोर्ट आई उनमें से 44 का टेस्ट पोजिटिव आया। महिलाओं की रक्त एवं मूत्र जांच रिपोर्ट आनी शेष है। जाहिर है, इन्होंने उन प्रतिबंधित नशों का सेवन किया था। यह किसी के लिए आश्चर्य का कारण हो सकता है, लेकिन रात्रि पार्टियों को जीवनोन्मुक्तता का पर्याय मानने वाले सेलिब्रिटी, सोशियलाइट, एलीट, संपन्न तबके के लिए यह सामान्य बात है। उसको गुस्सा आ रहा है तो उनके विरुद्ध कार्रवाई पर। यह स्थिति उन सारे क्षेत्रों में दिखाई देती है जिन्हें आम भारतीय समाज वर्जित, अनैतिक, गलत या अपराध मानता था। भारत का निर्मित और घनीभूत होता यही नया मानस भयभीत करने वाला है। शायद निर्बंध उदारीकरण एवं भूमंडलीकरण के प्रणेताओं ने भी ऐसे विकृततर होते भारत की कल्पना नहीं की होगी। ऐसा लगता है जैसे वर्षों के भूखे व्यक्ति के सामने हर प्रकार की खाद्य सामग्रियां आ गई और वह एक क्षण में ही सबका स्वाद चख लेने को आतुर है।

–अवधेश कुमार, ई.:30, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्प्लेक्स, दिल्ली-110092, दूरभाष: 22483408, 09811027208

दिल्ली चलो दिल्ली चलो

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, दिल्ली (पंजीकृत) के

34वें वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन के उपलक्ष्य में

राष्ट्रीय आर्य बुद्धिजीवी सम्मेलन

रविवार 2 सितम्बर 2012 समय: प्रात: 10 से सायं 5 बजे तक

स्थान: आर्य समाज, पुराना राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-110060

(निकट मैट्रो स्टेशन राजेन्द्र पैलेस)

देश के प्रबुद्ध संन्यासियों, विद्वानों, आर्य नेताओं के ओजस्वी उद्बोधन

सभी आर्य युवक, आर्यजन भारी संख्या में पहुंचे।

दिल्ली से बाहर के आने वाले आर्य बंधु आवास व्यवस्था हेतु शीघ्र सूचित करें।

दर्शनाभिलाषी:

डॉ. अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	धर्मपाल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
9810117464	9013137070	9711523412

त्याग का महत्व

त्याग मनुष्य के जीवन में सुख का मूल है। अतृप्त इच्छायें कामनायें दंश बनकर दु:ख देती हैं और सुरसा के मुख की भांति बढ़ती कामनायें और अधिक पाने की इच्छा भौतिक सुखों के संग्रह की आदत अंत में जीवन में दु:खों का कारण बनती हैं। मनुष्य के जीवन का सबसे बड़ा धन संतोष धन है जिसे पा लेने के बाद व्यक्ति तृप्त हो जाता है। इसीलिए वेद भगवान ने **तेन त्यक्तेन भुंजीथा** का आदेश देकर मनुष्यों को त्यागपूर्वक भोग करने का निर्देश दिया है। ईश्वर के उपकारों की बरसात हम सब मनुष्यों पर बड़ी सरलता और सहजता से हो रही है। यह हम मनुष्यों की पात्रता पर निर्भर करता है कि इसमें कितना एकत्रित हो पाता है लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हम पुरुषार्थ से अर्जित तथा ईश्वर प्रदत्त ज्ञान धन आदि में से कितना दे पाते हैं।

मनुष्य के जीवन की असली खुशी इस बात पर निर्भर करती है कि हम क्या दे सकते हैं। त्याग की खुशी का सच्चा आनंद हम जीवन में रक्तदान करते समय बड़ी आसानी से महसूस कर सकते हैं। स्वस्थ मनुष्य जब किसी घायल मरणासन्न रोगी को रक्त देकर जीवन दान देते हैं तो उस समय इस त्याग देने की खुशी चरम पर होती है। इसके महत्व को हम अपने लिए जीवन रक्षा के समय रक्त की आवश्यकता पड़ने पर महसूस कर सकते हैं। एक लौकिक उदाहरण से त्याग के महत्व को हम और अच्छी प्रकार से समझ सकते है। एक सेठ जी कथा सुनने आते और चुपचाप पीछे बैठ कर बड़े ध्यान से कथा सुनते। एक दिन जब वक्ता ने दान का महत्व समझाया तो उसके प्रभाव से सेठ जी ने उसी समय एक बड़ी धनराशि दान में देने की घोषणा कर दी। यह सुनकर संस्था के प्रधान ने तुरंत सेठ जी को मंच पर बैठा कर उनका स्वागत किया। इस पर सेठ जी ने टिप्पणी की ''यह सम्मान शायद मेरे धन का है'' तो तुरंत विद्वान ने सेठ जी को समझाया ''सेठ जी यह सम्मान आपकी त्याग भावना का है। यह धन तो पहले भी आपकी तिजोरी में पड़ा था लेकिन आपको सम्मान नहीं दिलवा पाया परन्तु जैसे ही आपने इसका त्याग दान भावना से किया इस त्याग भावना ने आपको समाज में सम्मान दिलवा दिया।''

वैसे भी यह एक निश्चित सत्य है कि त्याग से देने वाले के पास वह वस्तु घटती नहीं अपितु बढ़ जाती है। इसे समझने के लिए हम विद्या दान का उदाहरण ले सकते हैं। ज्ञान बांटने से बढ़ता है। ईश्वरीय न्याय व्यवस्था में त्याग के पुण्य के लाभ से मिलने वाली अच्छी नियति निश्चित रूप से त्यागी के जीवन को सुखी करती है। खुशी का सबसे बड़ा रहस्य त्याग है। संसार में सबसे बड़ा अधिकार सेवा और त्याग से प्राप्त होता है। त्याग के बिना ईश्वरीय प्रेरणा और प्रार्थना नही मिल पाती। मनुष्य का जीवन देने के लिये हैं लेने के लिये नहीं। उँचाई पर पहुंचकर दूसरों की भलाई के लिए बादल बन कर बरसने में ही सच्चा सुख है वरना बड़ा हुआ तो क्या जैसे पेड़ खजूर, पंछी को छाया नहीं फल लगे अति दूर। नदी अपना नीर स्वयं नहीं पीती, वृक्ष अपना फल खुद नहीं खाते ठीक उसी प्रकार इनसे प्रेरणा लेकर हम मनुष्यों को भी अपने जीवन में पुरुषार्थ से अर्जित तथा ईश्वर प्रदत्त ज्ञान धान ऐश्वर्य को त्याग पूर्वक बांट कर सच्चे सुख को प्राप्त करना चाहिए। वैसे भी वेद भगवान ने **केवलाघो भवति केवलादि** कहकर स्पष्ट रूप से चेतावनी दी है कि अकेला खाने वाला पाप खाता है। इसलिए हमें जीवन में सदा बांटकर सबके साथ मिलकर त्यागपूर्वक भोग करते हुए सुख पूर्वक रहना चाहिए।

नरेन्द्र आहूजा 'विवेक', 502 जी एच 27
सैक्टर 20 पंचकूला, मो. 09467608686

हो गई है पीर पर्वत-सी पिघलनी चाहिए

हो गई है पीर पर्वत–सी पिघलनी चाहिए,
इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए।
आज यह दीवार, परदों की तरह हिलने लगी,
शर्त लेकिन थी कि, बुनियाद हिलनी चाहिए।
हर सड़क पर, हर गली में, हर नगर, हर गांव में,
हाथ लहराते हुए हर लाश चलनी चाहिए।
सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं,
मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए।
मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में सही
हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए।

परिषद् की आर्य समाज अनारकली मन्दिर मार्ग बैठक का सुन्दर दृश्य

एटा में युवक चरित्र निर्माण शिविर सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् एटा उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में 21 मई से 27 मई 2012 तक ग्राम लंगुटिया, दातौली, एटा में युवक चरित्र निर्माण शिविर सौल्लास सम्पन्न हुआ। आचार्य शिवराज शास्त्री, आचार्य चन्द्रपाल शास्त्री, आचार्य शिशुपाल शास्त्री व श्री संतोष शास्त्री दिल्ली के प्रवचन हुए। पंडित राम अवतार के भजन हुए। श्री करण सिंह वर्मा ने शिक्षण दिया तथा श्रीमती ममता चौहान व श्री यज्ञवीर चौहान ने समस्त कार्यक्रम का संचालन किया।

गुरूकुल खेड़ाखुर्द को बर्बाद नहीं होने दिया जायेगा

मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने दिया आश्वासन

सोमवार 2 जुलाई 2012, आर्य समाज एवम् गुरूकुल खेड़ाखुर्द के प्रतिनिधि मंडल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित से उनके निवास पर भेंट की तथा ज्ञापन दिया कि मास्टर प्लान में गुरूकुल खेड़ाखुर्द के बीच में से जो सड़क निकालने की योजना है उसे रद्द किया जाए तथा सड़क को अन्यत्र परिवर्तित किया जाए। इस पर मुख्यमंत्री ने श्री विजय देव (डी.सी. राजस्व) को निर्देश दिया कि इस सम्बन्ध में त्वरित कार्यवाही करें। इस पर श्री विजय देव ने ए.डी.एम. कंझावला श्री परिहार को निर्देश दिया कि स्वयं मौके पर जाकर देखें व गुरूकुल की सुरक्षा की जाए। श्री परिहार ने गुरूकुल खेड़ाखुर्द का निरीक्षण कर सड़क को गुरूकुल के पीछे से निकालने हेतु अपनी रिपोर्ट भेज दी है। इसके लिए हम माननीय मुख्यमंत्री महोदया एवम् डी.सी. श्री विजय देव जी का आभार व्यक्त करते हैं।

प्रतिनिधि मंडल में प्रमुख रूप से गुरूकुल के प्रधान चौ. ब्रह्मप्रकाश मान, आर्य नेता डॉ. अनिल आर्य, मंत्री श्री जोगेन्द्र मान, श्रीमती अरूणा व श्री योगेश खत्री (पार्षद) श्री मनोज मान, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, आचार्य सुधांशु आदि सम्मिलित थे।

श्रावणी पर्व के उपलक्ष्य में
केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का
युवा संस्कार अभियान व वैदिक धर्म दीक्षा समारोह
दिनांक 11 अगस्त से 19 अगस्त 2012 तक
आयु 12 वर्ष से 25 वर्ष तक के युवको का यज्ञोपवीत संस्कार
अपने क्षेत्र में यज्ञ, भजन, प्रवचन करवाने हेतु सम्पर्क करें।

गवेन्द्र शास्त्री	रामकुमार सिंह	सन्तोष शास्त्री	शिशुपाल आर्य
प्रभारी	प्रांतीय संचालक	प्रांतीय महामंत्री	उपसंचालक
9810884124	9868064422	9868754140	9971550031

स्वामी वैदिकानंद जी को श्रद्धाजंलि व आर्य समाज बाबरपुर का उत्सव सम्पन्न

मंच पर बाएं से श्री बलजीत आदित्य, श्री श्वेतकेतु वैदिक, स्वामी आर्यवेश, डॉ. वेद प्रताप वैदिक, पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. सोमपाल शास्त्री व डॉ. अनिल आर्य।

रविवार 8 जुलाई 2012 सुप्रसिद्ध वैदिक विद्वान, आर्य संन्यासी स्वामी वैदिकानंद सरस्वती (इंदौर) की श्रद्धाजंलि सभा अनुव्रत भवन दीन दयाल उपाध्याय मार्ग नयी दिल्ली में संपन्न हुई. आपका जन्म सन 1925 में हुआ था। आप सुप्रसिद्ध पत्रकार डॉ. वेद प्रताप वैदिक के पूज्य पिता हैं। डॉ. वैदिक ने बताया के उनके पिता स्वामी दयानंद सरस्वती के कट्टर अनुयायी थे. वे सिद्धान्तप्रिय, सत्यवादी, निर्भीक व्यक्ति थे।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से श्री राजनाथ सिंह (सांसद भा.ज.पा.), डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा, डॉ योगानंद शास्त्री, श्री पवन बंसल (केन्द्रीय मंत्री), स्वामी अग्निवेश, स्वामी आर्य वेश, डॉ. अनिल आर्य (आर्य युवक परिषद्), डॉ. सोमपाल शास्त्री, श्री जयप्रकाश अग्रवाल (सांसद), डॉ. अशोक कुमार चौहान, डॉ. अमिता चौहान, श्री आनंद चौहान, डॉ. महेश विद्यालंकार, आचार्य विद्याप्रसाद मिश्र, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, कै. अशोक गुलाटी, श्री रविन्द्र मेहता, श्री बलजीत आदित्य आदि सैकड़ो शुभचिंतक उपस्थित थे। सभा का संचालन डॉ. शशि प्रभा कुमार ने किया।

महर्षि पब्लिक स्कूल चंडीगढ़ में दौड़ सम्पन्न

महर्षि पब्लिक स्कूल दरिया, चंडीगढ़ में विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सीनियर वर्ग में किशन, प्रदीप और विशाल को प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान मिला। लक्की को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। जबकि लड़कों के जूनियर वर्ग में अर्जुन को पहला, आकाश को दूसरा और ध्रुवश को तीसरा तथा जशन को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। लड़कियों के सीनियर वर्ग में नूतन, निशा और गुरमीत को क्रमशः पहला, दूसरा व तीसरा स्थान मिला। वहीं लड़कियों के जूनियर वर्ग में निशु, भानु, नेहा और कोमल को प्रथम, द्वितीय, तृतीय और सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के समापन के दौरान प्रिंसीपल विनोद कुमार ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या पर्यावरण के लिए खतरा है।

परिषद् के आर्य यूथ ग्रुप के सदस्य बने

परिषद् के इन्टरनेट पर ग्रुपः- aryayouthgroup@yahoogroups.com के सदस्य बनें तथा घर बैठे युवा उद्घोष पत्रिका व सभी सूचनाएं निःशुल्क प्राप्त करें।

-देवेन्द्र भगत, संयोजक, मो. 9312406810

शोक समाचार

1. चौ. सुखदेवसिंह आर्य आयु 80 वर्ष (पूज्य पिता श्री सहदेव बेधड़क, भजनोपदेशक) का गत दिनों निधन हो गया।
2. स्वामी आत्मानन्द सरस्वती आयु 95 वर्ष का वैदिक भक्ति आश्रम, रोहतक में निधन हो गया।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि

रविवार 1 जुलाई 2012, आर्य समाज बाबरपुर दिल्ली के वार्षिकोत्सव पर श्री विजय पाल सिंह एडवोकेट को सम्मानित करते मुख्य अतिथि डॉ. अनिल आर्य व श्री महेन्द्र भाई, श्री ऋषि पाल खोखर, श्री वेद प्रकाश आर्य व मंत्री श्री चंद्रपाल भारद्वाज।

श्री रमेश भम्मानी के पौत्र का जन्मोत्सव सम्पन्न

रविवार 8 जुलाई 2012, आर्य समाज राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में समाज सेवी श्री रमेश भम्मानी के पौत्र सुदीप का जन्मोत्सव धूम-धाम से मनाया गया। चित्र में आशीर्वाद देते डॉ. अनिल आर्य, श्री एस.एम. गुप्ता, श्री नरेन्द्र वलेचा, प्रो. कैलाश चन्द व श्री रमेश भम्मानी। इस अवसर पर समाज के प्रधान श्री अशोक सहगल, मंत्री श्री सतीश मेहता, श्रीमती आदर्श सहगल, श्री रमेश बग्गा व आचार्य गवेन्द्र शास्त्री आदि भी उपस्थित थे।

आर्य समाजों के निर्वाचन समाचार

1. आर्य समाज बी ब्लॉक, जनकपुरी दिल्ली के चुनाव में डॉ सुन्दर लाल कथुरिया-प्रधान, श्री केवलकृष्ण कपानिया-मंत्री व श्री यशपाल आर्य-कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।
2. आर्य समाज मयूर विहार, फेस-1, दिल्ली के चुनाव में श्री अमीरचन्द रखेजा-प्रधान, श्री ओमप्रकाश शास्त्री-मंत्री व श्री तुलसीदास नन्दवानी-कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए एवम् महिला समाज के चुनाव में श्रीमती चन्द्र प्रभा अरोड़ा-प्रधाना, श्रीमती संगीता गौतम-मंत्रिणी, व श्रीमती वीणा प्रकाश-कोषाध्यक्षा निर्वाचित हुई।
3. आर्य समाज दिलशाद गार्डन, दिल्ली के चुनाव में श्री जवाहर भाटिया-प्रधान, श्रीमती अरूणा मुखी-कार्यकारी मंत्री व श्री विनोद वालिया-कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।
4. आर्य समाज विवेक विहार, दिल्ली के चुनाव में श्रीमती उषा किरण आर्या-प्रधान, श्री पीयूष शर्मा-मंत्री व श्री यशपाल आर्य-कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।
5. आर्य समाज टैगोर गार्डन विस्तार, दिल्ली के चुनाव में श्री अशोक आर्य -प्रधान, श्री लाजपत आहूजा-मंत्री व श्री रमेश आर्य-कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।
6. आर्य समाज रोहतास नगर, शाहदरा दिल्ली के चुनाव में श्री रामपाल पंचाल-प्रधान, श्री नरेश सैनी-मंत्री, व श्री जगदीशचन्द शर्मा-कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।
7. आर्य समाज डी ब्लॉक, शास्त्री नगर, मेरठ (उ.प्र.) के चुनाव में श्री राजेन्द्र सिंह वर्मा-प्रधान, श्री प्रेम चंद गुप्त-मंत्री व श्री उदयवीर सिंह -कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।
8. आर्य समाज अमर कॉलोनी, नई दिल्ली के द्विवार्षिक के चुनाव में श्री जितेन्द्र डावर-प्रधान, श्री ओम प्रकाश छावड़ा-मंत्री व श्री वेद भूषण मलिक-कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।
9. आर्य समाज अजमेर राजस्थान के चुनाव में प्रो. रासासिंह रावत (पूर्व सांसद)-प्रधान, लूम्बा राम आर्य-मंत्री व श्री किशनलाल शर्मा-कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।
10. आर्य समाज गांव-तुगलकाबाद, नई दिल्ली के चुनाव में श्री वेद प्रकाश शर्मा-प्रधान, श्री अजय कुमार-मंत्री व श्री बलि राम विधुड़ी-कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।
11. आर्य समाज राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली के चुनाव में श्री अशोक सहगल-प्रधान, श्री सतीश मेहता-मंत्री, श्री नरेन्द्र वलेचा- वरिष्ठ मंत्री व श्री सतीश कुमार -कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।
11. आर्य समाज पटेल नगर, नई दिल्ली के चुनाव में पुरूषोत्तम लाल आनन्द-प्रधान, श्री राजीवकान्त कुमार-मंत्री व श्रीमती सुषमा आहुजा -कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मयंक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548504 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9910649696, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970